DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

M.A. HINDI

Semester – III

SESSION : 2024-25

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A^{+}, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

सत्र 2023–2024

एम.ए. हिन्दी
तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

शैक्षणिक सत्र 2023–2024 हेतु अध्ययन मंण्डल द्वारा अनुमोदित एम.ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमानुसार प्रश्नपत्रों का विवरण

तृतीय सेमेस्टर 2023–2024

प्रश्नपत्र प्रथम :– भाषा विज्ञान भाग 1	**प्रश्नपत्र द्वितीय :–** प्रयोजन मूलक हिन्दी भाग 1
प्रश्नपत्र तृतीय :– आधुनिक काव्य – भाग 1 (छायावादी एवं पूर्ववर्ती काव्य)	**प्रश्नपत्र चतुर्थ :–** भारतीय साहित्य (भारतीय साहित्य का सैद्धांतिक पक्ष) भाग 1
प्रश्न पत्र पंचम :– पत्रकारिता प्रशिक्षण (पत्रकारिता का स्वरूप) भाग 1	**प्रश्न पत्र पंचम** – वैकल्पिक प्रश्न पत्र राजभाषा प्रशिक्षण भाग – 01

शैक्षणिक सत्र 2023–2024 हेतु एम.ए. हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**श्रीमती अन्नपूर्णा महतो**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**

• मूल्यांकन – प्रणाली

- सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक = 04 क्रेडिट

सत्र 2022–2023 से स्वशासी स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र के प्रारूप में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रारूप प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों के लिए लागू होगा। नए प्रारूप के मुख्य बिंदु निम्नानुसार हैं –

i. प्रश्नपत्र 80 अंकों (04 क्रेडिट) का होगा।
ii. प्रत्येक प्रश्नपत्र में इकाईवार प्रश्न पूछे जाएँगे।
iii. जिन प्रश्नपत्रों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित नहीं है, उनमें प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न पूछे जायेंगे –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

1. प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
2. प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
3. उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
4. हिंदी साहित्य के जिन प्रश्नपत्रों की पाठ्यवस्तु में साहित्यिक कृतियों के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें भी लघूत्तरी प्रश्न के स्थान पर प्रत्येक इकाई से एक व्याख्यात्मक प्रश्न होगा, किन्तु अंक विभाजन निम्नानुसार होगा –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) 2 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) 2 अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) 6 अंक
प्रश्न 4. आलोचनात्मक प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) 10 अंक

(परीक्षार्थी व्याख्यात्मक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्द सीमा और निर्धारित अंकों को ध्यान में रखते हुए दें।)

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा निम्नानुसार होगी –

आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक = 01 क्रेडिट

- इकाई जाँच परीक्षा – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंकों की एक जाँच परीक्षा ।
- सत्रीय गृहकार्य – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र से कोई 02 विषयों का चयन कर उन पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा। आलेख तैयार करने हेतु मानक संदर्भ सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिये। प्रयुक्त संदर्भ पुस्तकों के शीर्षक, लेखक, प्रकाशन वर्ष तथा प्रकाशक का समुचित विवरण आलेख के अंत में यथाविधि किया जाना चाहिये।
- सेमीनार प्रस्तुति (पावर प्वाइंट के माध्यम से) – 20 अंक
  आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्नपत्र में सेमीनार होगा । सेमीनार का मूल्यांकन मौखिक प्रस्तुति एवं खुली चर्चा (10 अंक) तथा आलेख (10 अंक) के आधार पर किया जाएगा ।
- सेमीनार वाले प्रश्नपत्र को छोड़कर शेष सभी प्रश्नपत्रों में से प्रत्येक में सत्रीय कार्य (20 अंक) अर्थात किसी एक प्रश्नपत्र में आंतरिक जाँच परीक्षा + सेमीनार तथा शेष प्रश्नपत्रों में आंतरिक जांच परीक्षा + सत्रीय कार्य के लिये परीक्षार्थी के प्राप्तांकों के औसत की गणना कर उसे मान्य किया जाएगा।

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल

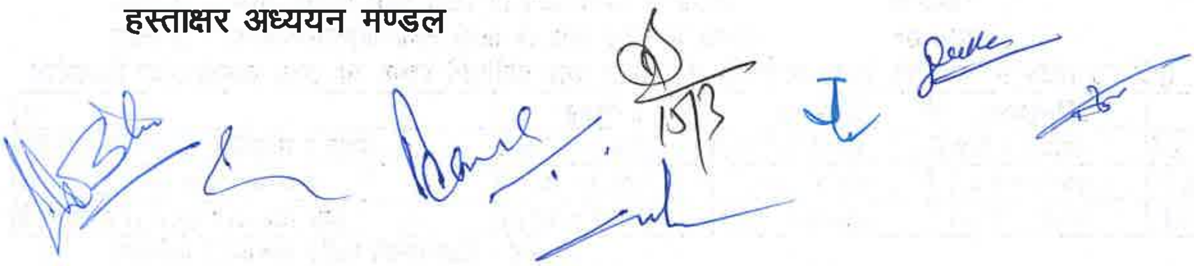

विद्यार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. विद्यार्थियों को प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में न्यूनतम 20 प्रतिशत अंक पृथक–पृथक प्राप्त करना होगा ।
2. सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए परीक्षार्थी को कुल मिलाकर 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे ।
3. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत आंतरिक जांच परीक्षा (Class Test), सत्रीय गृह कार्य (Home Assignment) तथा सेमीनार प्रस्तुति सम्मिलित होंगे ।
4. क. आंतरिक मूल्यांकन के अंर्तगत प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए दो आंतरिक (अर्थात जॉच परीक्षा तथा सत्रीय मूल्यांकन) परीक्षाओं में परीक्षार्थी को प्राप्त अंक के औसत की गणना कर उसमें प्राप्तांक में सम्मिलित किया जाएगा। इसमें 20 अंक होंगे।

   ख. प्रत्येक सेमेस्टर में आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्न पत्र में सेमीनार होगा। सेमीनार के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। सेमीनार के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिक प्रस्तुति देनी होगी तथा उसका लिखित आलेख प्रस्तुत करना होगा। मौखिक प्रस्तृति के लिए 10 अंक तथा लिखित आलेख के लिए भी 10 अंक होंगे। मौखिक प्रस्तुति के बाद उस पर खुली चर्चा होगी।

   ग. सेमिनार वाले प्रश्नपत्र के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्नपत्रों में 20 अंकों का सत्रीय कार्य होगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

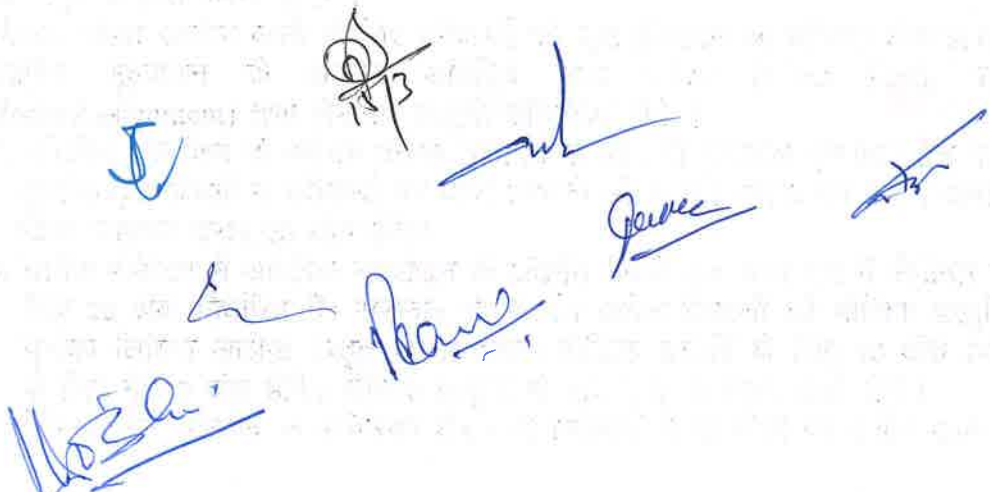

तृतीय सेमेस्टर हेतु पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन
सत्र 2023–2024

प्रश्न पत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक		आंतरिक		क्रेडिट
		अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
I	भाषा विज्ञान भाग–1	80	16	20	04	5
II	प्रयोजन मूलक हिन्दी भाग 1	80	16	20	04	5
III	आधुनिक काव्य – भाग 1 (छायावादी एवं पूर्ववर्ती काव्य)	80	16	20	04	5
IV	भारतीय साहित्य (भारतीय साहित्य का सैद्धांतिक पक्ष) भाग 1	80	16	20	04	5
V	पत्रकारिता प्रशिक्षण (पत्रकारिता का स्वरूप) भाग 1 वैकल्पिक प्रश्न पत्र राजभाषा प्रशिक्षण भाग – 01	80	16	20	04	5
	कुल अंक	400	80	100	20	25

टीप :– सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में 20 अंक = 01 क्रेडिट अंक होंगे।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय,**
सहायक प्राध्यापक

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा,**
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र,**
सहायक प्राध्यापक

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी,**
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान,**
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

श्रीमती अन्नपूर्णा महतो

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2023–2024
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – प्रथम
भाषा विज्ञान भाग– 1
पाठ्यक्रम कोड – MHN–301

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक, संरचनात्मक और व्यावहारिक पक्षों को लेकर जागरूक कराना।
2. भाषा की रूप-संरचना और व्याकरण के सैद्धांतिक पक्ष के सामान्य ज्ञान से अवगत कराना।
2. विभिन्न ध्वनियों की संरचना और उनकी उच्चारण-विधि का ज्ञान प्रदान कराना।
4. भाषा में अर्थापन की पद्धति का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1 **भाषा और भाषा विज्ञान** : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा-व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा-संरचना। भाषा विज्ञान-स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई – 2 **स्वन प्रक्रिया** : स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाक् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद ।

इकाई – 3 **व्याकरण:** रूप विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद : मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी, संबंध दर्शी, रूपिम भेद और प्रकार्य। वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण।

इकाई – 4 **अर्थ विज्ञान** : अर्थ की अवधारणा शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ–परिवर्तन ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. भाषा विज्ञान के सैध्दांतिक और संरचनात्मक पक्ष का ज्ञान होगा।
2. भाषा की रूप–संरचना और व्याकरण के सैध्दांतिक पक्ष की जानकारी होगी।
3. ध्वनि–संरचना और उसकी सैध्दांतिकी का ज्ञान होगा।
4. भाषा में अर्थापन की पध्दति का ज्ञान होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य — 02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य — 02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त — 04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त — 12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. सामान्य भाषा –विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भारत के भाषा परिवार – डॉ. रामविलास शर्मा
4. भाषा शास्त्र की रूपरेखा – उदय नारायण तिवारी
5. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी
6. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी
7. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – शंकर भोष
8. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
9. हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ – प्रो. दीपचंद जैन
10. छत्तीसगढ़ी का उद्विकास –डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना** **विषय विशेषज्ञ** :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक** **विषय विशेषज्ञ** :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य** **विषय विशेषज्ञ** :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक** **उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि** :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास** **अन्य विभाग के प्राध्यापक** :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	**विभागीय सदस्य** **डॉ. बलजीत कौर** **डॉ. जयप्रकाश साव** **श्रीमती अन्नपूर्णा महतो** **डॉ. कृष्णा चटर्जी** **छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**

सत्र 2023–2024
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – द्वितीय
प्रयोजनमूलक हिन्दी भाग–1
(राजभाषा कम्प्यूटिंग एवं पत्रकारिता)
पाठ्यक्रम कोड – MHN–302

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को
1. हिन्दी भाषा के व्यावहारिक एवं प्रयोजनात्मक स्वरूप एवं प्रविधि की जानकारी प्रदान करना।
2. कार्यालयीन हिन्दी की व्यावहारिक एवं कामकाजी प्रणाली और उसकी सामान्य जानकारी से अवगत कराना।
3. हिन्दी में कंप्यूटर-प्रणाली का आरम्भिक ज्ञान प्रदान करना।
4. हिन्दी पत्रकारिता के स्वरूप तथा उसकी कार्य-प्रणाली की सामान्य जानकारी देना तथा उनमें पत्रकारीय कार्य के प्रति अभिरुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम विवरण –

इकाई –1 हिन्दी के विभिन्न रूप – सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा। कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य, प्रारूपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी–लेखन।

इकाई –2 पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली– निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द) ।

इकाई–3 हिन्दी कम्प्यूटिंग – कम्प्यूटर : परिचय, उपयोगिता क्षेत्र, वेब पेज पब्लिशिंग परिचय। इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र वेब पब्लिशिंग - इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप । लिंक, ब्राउजिंग, ईमेल भेजना/ प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी साफ्टवेयर, पैकेज इत्यादि का सैद्धांतिक ज्ञान एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण।

इकाई–4 पत्रकारिता स्वरूप एवं प्रकार - हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास। समाचार लेखन-कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यवहारिक प्रूफ शोधन, शीर्षक संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक–संरचना, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. हिंदी भाषा के व्यावहारिक एवं प्रयोजनात्मक पक्ष का ज्ञान होगा।
2. कार्यालयीन हिंदी की सामान्य जानकारी होगी।
3. हिंदी में कम्प्यूटिंग प्रणाली का ज्ञान होगा।
4. हिंदी–पत्रकारिता के स्वरूप तथा कार्यप्रणाली की जानकारी होगी।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें —

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. प्रयोजन परक हिन्दी – प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित
2. प्रशासनिक हिन्दी – पुष्पा कुमारी
3. पत्रकारिता के छह दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
4. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र
5. भारतीय समाचार पत्रों का संगठन और प्रबंधन –डॉ. सुकुमार जैन
6. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भनावत
7. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा
8. कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय,** **सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
	डॉ. जयप्रकाश साव
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा,** **सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**श्रीमती अन्नपूर्णा महतो**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र,** **सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी,** **संपादक विचार विन्यास**	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,** **भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान,** **सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	

सत्र 2023–2024
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – तृतीय
आधुनिक काव्य भाग– 1
(छायावादी एवं पूर्ववर्ती काव्य)
पाठ्यक्रम कोड – MHN–303

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1.द्विवेदी युग की काव्यधारा और उसके संवेदनात्मक-वैचारिक स्वरूप से अवगत करना।
2. छायावाद के काव्य-वैशिष्ट्य और उसके महत्त्व से परिचित कराना।
3. हिन्दी साहित्य के पुनर्जागरण की परिस्थितियों तथा उनकी सर्जनात्मक प्रतिफलन के विषय में सम्यक दृष्टिकोण से अवगत करना।
4. मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला और महादेवी वर्मा के काव्य और उनके रचनात्मक अवदान की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1.	**मैथिलीशरण गुप्त**	–	साकेत (नवम सर्ग)
इकाई – 2.	**जयशंकर प्रसाद**	–	कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, इड़ा सर्ग)
इकाई – 3.	**सूर्यकांत त्रिपाठी निराला**	–	राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति
इकाई – 4.	**सुमित्रानन्दन पंत**	–	प्रथम रश्मि, मोह, मैं नहीं चाहता चिर सुख, वह बुड्ढा, मजदूरनी के प्रति।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. द्विवेदी–युगीन काव्यधारा से परिचय होगा।
2. छायावाद के काव्य–वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
3. हिन्दी के साहित्यिक पुनर्जागरण का ज्ञान होगा।
4. मैथिलीशरण गुप्त, प्रसाद, निराला और महादेवी वर्मा के काव्य–वैशिष्ट्य की जानकारी होगी।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. साकेत एक अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र
2. कवि निराला – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
3. निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा
4. नया साहित्य नये प्रश्न – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
5. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
6. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर
7. हिन्दी साहित्य आधुनिक परिदृश्य – अज्ञेय
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – नगेन्द्र

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**	**श्रीमती अन्नपूर्णा महतो**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**

सत्र 2023–2024
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – चतुर्थ
भारतीय साहित्य भाग–1
(भारतीय साहित्य का सैद्धांतिक पक्ष)
पाठ्यक्रम कोड – MHN–304

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. भारतीय साहित्य के सैद्धांतिक पक्ष का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।
2. भारत की सांस्कृतिक बहुलता के प्रति जागरूकता और सम्मान भाव के प्रति प्रेरित करना।
3. भारतीय साहित्य की बहुभाषी परंपरा में विविधता और एकात्मता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा विविधता के प्रति गौरव-बोध विकसित करना।
4. भारतीय साहित्य की समृध्द विरासत का ज्ञान प्रदान करना तथा समकालीन साहित्य के ऐतिहासिक विकास के विषय में समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. **भारतीय साहित्य का स्वरूप –**

भारत की विविध भाषाएँ, भारतीय भाषाओं का उद्भवकाल एवं भाषा परिवार, सांस्कृतिक विविधता, भारतीय साहित्य की अवधारणा : मूलभूत एकता और विविधता भारतीय साहित्य में समानता और एकता के तत्त्व, भारतीय साहित्य में विविधता और उसके लक्षण।

भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ – बहुभाषिकता तथा भाषा–परिवारों की विविधता, बहुसांस्कृतिकता, विविध साहित्यों के समग्र इतिहास के अध्ययन का अभाव, भारतीय भाषाओं में अंतर्संवाद तथा अनुवाद की अपर्याप्तता, भारतीय साहित्य के समग्र आलोचना शास्त्र का अभाव, साहित्येतिहासों की बहुलता तथा काल–विभाजन की समस्या। विविध विचारधाराएं तथा इतिहास–दृष्टियाँ।

इकाई 2 **भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब –**

क्लासिकल साहित्य की प्रासंगिकता : भारतीय नवजागरण और आधुनिक चेतना, भारतीय साहित्य पर नवजागरण और आधुनिकता का प्रभाव –यथार्थवाद और भारतीय भाषाओं का कथा–साहित्य, आधुनिक काव्य और आधुनिकतावादी काव्य, स्त्री–विमर्श और दलित चेतना।

भारतीयता का समाज शास्त्र : राष्ट्र (जाति) और राष्ट्रीयता (जातीयता), भारतीयता की अवधारणा, भारतीयता का समाज शास्त्रीय स्वरूप – जातीय चेतना, जनपदीय चेतना, धार्मिक चेतना, वैश्विक चेतना, उदारता एवं ग्रहण शीलता, कौटुम्बिकता, सामुदायिक बोध, सांस्कृतिक एवं जातीय समन्वय (बहुभाषिक, बहुजातीय, बहुसांस्कृतिक राष्ट्रीयता) ।

इकाई 3 **हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति –**

मूल्यों की अवधारणा – मानवीय मूल्य, भारतीय मूल्य–प्रणाली साहित्यिक मूल्य। आदिकालीन हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्य, मध्यकालीन हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्य, आधुनिक हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्य।

इकाई 4 **उपन्यास – अग्निगर्भ (बंगला – महाश्वेता देवी)**

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. भारतीय साहित्य के सैध्दांतिक पक्ष का ज्ञान होगा।
2. भारत की सांस्कृतिक बहुलता के प्रति जागरूकता विकसित होगी।
3. भारतीय साहित्य की बहुभाषी परम्परा में विविधता और एकात्मता के प्रति सजगता उत्पन्न होगी तथा विविधता के सम्मान का भाव विकसित होगा।
4. भारतीय साहित्य की परम्परा में वर्तमान दौर के साहित्य के ऐतिहासिक विकास की समझ विकसित होगी।

अंक विभाजन : प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य — 02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य — 02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त — 04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त — 12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।

प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा
4. भारतीय साहित्य – डॉ. रामछबीला त्रिपाठी
5. भारतीय साहित्य – डॉ. मूलचंद गौतम
6. भारतीय सहित्य कोष – डॉ. नगेन्द्र

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**	**श्रीमती अन्नपूर्णा महतो**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**

सत्र 2023–2024
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पंचम
पत्रकारिता प्रशिक्षण भाग–1
(पत्रकारिता का स्वरूप)

पाठ्यक्रम कोड – MHN–305A

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. वैश्विक, भारतीय तथा भाषायी स्तर पर पत्रकारिता के उदय एवं उसके विकास के इतिहासक्रम की सम्यक जानकारी विकसित करना।
2. हिन्दी पत्रकारिता के स्वरूप, विकास और प्रणाली के प्रति सजगता उत्पन्न करना।
3. पत्रकारिता के प्रबंधात्मकता प्रकार्यात्मक पक्ष की समझ विकसित करना।
4. पत्रकारिता के सामान्य कामकाजी स्वरूप और विधि की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1.
(1) पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार ।
(2) विश्व पत्रकारिता का उदय । भारत में पत्रकारिता का आरम्भ ।

इकाई 2.
(1) हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास ।
(2) पत्रकारिता का प्रबंधन – प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था ।

इकाई 3.
(1) समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व– समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम ।
(2) सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत – शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति – प्रक्रिया ।
(3) समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना ।

इकाई 4.
(1) संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति ।
(2) पत्रकारिता से संबंधित लेखन–सम्पादकीय फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलोऑप) की प्रविधि ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. वैश्विक, भारतीय तथा भाषायी स्तर पर पत्रकारिता के उदय एवं विकास के इतिहास–क्रम की जानकारी होगी।
2. हिंदी–पत्रकारिता के स्वरूप और प्रणाली का ज्ञान होगा।
3. पत्रकारिता के प्रबंधात्मक तथा प्रकार्यात्मक पक्ष की समझ विकसित होगी।
4. पत्रकारिता की कार्यविधि का ज्ञान होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञान प्रकाशन)
2. पत्रकारिता के छः दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी (साहित्य संगम इलाहाबाद)
3. भारतीय समाचार पत्रों का संगठन और प्रबंध – डॉ. सुकुमार जैन (म.प्र.हिन्दी ग्रंथ अकादमी)
4. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेद प्रताप वैदिक
5. संपादन पृष्ठ सज्जा और मुद्रण – प्रो.रमेश जैन (मंगलदीप पब्लिकेशन जयपुर)
6. पत्रकारिता सिद्धांत और स्वरुप – डॉ. संजीव कुमार जैन (कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल)
7. जन माध्यम और पत्रकारिता – डॉ. प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
8. अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा – सुरेश कुमार

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**श्रीमती अन्नपूर्णा महतो**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**

सत्र 2023–2024
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पंचम
राजभाषा – प्रशिक्षण भाग – 1 (वैकल्पिक)
पाठ्यक्रम कोड : MHN – 305B

पूर्णांक :– 80

प्रस्तावना

कार्यालयीन हिंदी का एक नया स्वरूप इधर विकसित हुआ है जिसका व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त कर लेने पर रोज़गार की संभावनाओं में अभिवृद्धि होगी और राजभाषा का स्तर-उन्नयन भी होगा।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. राजकीय कार्य तथा प्रशासन-व्यवस्था में राजभाषा के रूप में हिंदी की आवश्यकता, उपयोगिता और उसके अनुप्रयोग के विषय में सम्यक जानकारी प्रदान करना।
2. भारत-जैसे बहुभाषी समाज में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता के बारे में अवगत कराना।
3. राजभाषा के रूप में हिंदी की संवैधानिक स्थिति तथा संबंधित संवैधानिक प्रावधानों का ज्ञान प्रदान करना।
4. हिंदी में प्रशासनिक कामकाज करने में सामर्थ्य विकसित हो सकेगा।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. प्रशासन व्यवस्था और भाषा। भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता। राजभाषा (कार्यालयीन हिंदी) की प्रकृति और स्वरूप

इकाई 2. विषयक संविधानिक प्रावधान : राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक), राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1960), राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967), राजभाषा संकल्प 1968, (यथा अनुमोदित 1991) राजभाषा नियम 1976।

इकाई 3. द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र। हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी। हिंदी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थानों की भूमिका।

इकाई 4. हिंदी और देवनागरी लिपि। देवनागरी लिपि का इतिहास और उसकी वैज्ञानिकता। हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या। भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों में

1. राजकीय कार्य तथा प्रशासन-व्यवस्था में राजभाषा के रूप में हिंदी की आवश्यकता, उपयोगिता और उसके अनुप्रयोग के विषय में ज्ञान होगा।
2. भारत-जैसे बहुभाषी समाज में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता के बारे में समझ विकसित हो सकेगी।
3. राजभाषा के रूप में हिंदी की संवैधानिक स्थिति तथा संबंधित संवैधानिक प्रावधानों का ज्ञान हो सकेगा।
4. हिंदी-भाषा के मानकीकरण के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की जानकारी हो सकेगी।
5. हिंदी में प्रशासनिक कामकाज करने में सामर्थ्य विकसित हो सकेगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ-ग्रंथ

1	प्रयोजन मूलक हिन्दी	डॉ. माधव सोनटक्के	लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2	प्रयोजन मूलक हिन्दी और अनुवाद	डॉ. तेजस्वी कट्टीमनी	भारत देशम प्रकाशन, हैदराबाद
3	प्रयोजन मूलक हिन्दी	विनोद गोदरे	वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4	प्रयोजन मूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग	दंगल झालटे	
5	प्रयोजन मूलक हिन्दी की नई भूमिका	कैलाशनाथ पाण्डेय	लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	कैलाशनाथ पाण्डेय	लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7	प्रयोजन मूलक हिन्दी व्याकरण	डॉ. बी. एम. पाण्डेय	प्रभात प्रकाशन

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**श्रीमती अन्नपूर्णा महतो**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**